

**योग कोश भाग-२ (फोल्डर नं. ०६०२९)**  
**सम्पादक – मोहनलाल बाँठिया, श्रीचन्द्र चोरड़िया**

मुख्य टाइटल

समर्पण

संकलन-सम्पादन में प्रयुक्त ग्रंथों की संकेत-सूची

मूल वर्गों के उपविभाजन का उदाहरण

जैन वाङ्मय का दशमलव वर्गीकरण

०४ जीव परिणाम का वर्गीकरण

आशीर्वचन

Foreword

दो शब्द

प्रकाशकीय

प्रस्तावना

विषय-सूची

सयोगी जीव -----	१
सयोगी जीव और ज्ञान -----	१
मनोयोगी और ज्ञान -----	१
वचनयोगी और ज्ञान -----	१
काययोगी और ज्ञान -----	१
अयोगी और ज्ञान -----	१
अयोगी और ज्ञान -----	२
योग और उपयोग -----	२
योग और केवल ज्ञान -----	२
योग और दर्शन -----	२
योग और जीव समास -----	२
आहारक-आहारक-मिश्रकाययोग और मनःपर्यवज्ञान-----	३
योग और मनः पर्यवज्ञान -----	३
शुभ योग भी विविध ज्ञान की समुत्पत्ति में कारण -----	३
शुभ योग से अवधि ज्ञान -----	४
शुभ योग से अवधि ज्ञान -----	४
शुभ-अशुभ योगी देव का शुभ-अशुभ योगी देव-देवी को जानना-देखना -----	४
अनुत्तरौपातिक देव और मनोद्रव्य पुद्गलों का ग्रहण-----	५
सयोगी जीव और बोधि -----	५
सयोगी जीव और काल की अपेक्षा सप्रदेश-अप्रदेश -----	६
अजोगी जहा अलेस्सा -----	६

सयोगी जीव और ज्ञानावरणीयादि कर्म का बंध -----	७
सयोगी जीव और त्रिविध बंध -----	७
सयोगी जीव और जन्म-मरण-----	८
योगस्थान की प्ररूपणा -----	८
प्ररूपणा अनुयोग -----	८
योगस्थान का प्रमाण -----	९
योग के अल्पबहुत्व के भेद -----	९
जीव समास के आश्रय से योग विभाग प्रतिच्छेद का स्वस्थान अल्पबहुत्व -----	१०
जीव समास के आश्रय से सर्व परस्थान योगों का अल्पबहुत्व -----	११
जधन्य योग स्थान की अपेक्षा उपपाद, एकांतानुवृद्धि तथा परिणाम योग स्थान का अल्पबहुत्व -----	११
अल्पबहुत्व-उत्कृष्ट -----	१४
जीव समास के आश्रय से योग का परस्थान अल्पबहुत्व -----	१७
योग और लेश्या -----	२५
योग और गुणस्थान -----	२६
कर्मणकाययोग और गुणस्थान-----	२७
आहारककाययोग और गुणस्थान -----	२८
आहारकमिश्रकाययोग और गुणस्थान -----	२८
सयोगी गुणस्थान में दो जीव समास -----	२८
आहारककाययोग और जीव समास -----	२८
आहारकमिश्रकाययोग और जीव समास -----	२८
मनोयोग-वचनयोग और गुणस्थान -----	२९
काययोग और गुणस्थान -----	२९
वैक्रियकाययोग और गुणस्थान -----	३०
योग और गुणस्थान की अपेक्षा पर्याप्त-अपर्याप्त -----	३१
सयोगी केवली के प्रथम समय में चार कर्मों का अवसान -----	३२
सयोगी और जीव समास -----	३२
योग और पर्याप्त-अपर्याप्त -----	३२
कर्मणकाययोग और जीव समास -----	३३
वैक्रियकाययोग और जीव समास -----	३३
वैक्रियमिश्रकाययोग और जीव समास -----	३३
योग और जीव भेद-----	३३
सयोगी और पर्याप्त-अपर्याप्त अवस्था -----	३३
योग और पर्याप्त-अपर्याप्त अवस्था -----	३३
सयोगी केवली के अपर्याप्त अवस्था भी होती हैं -----	३४

सयोगी जीव और द्रव्य -----	३४
सयोगी जीव और द्रव्य का ग्रहण -----	३५
जीव और अधिकरण योग -----	३५
सयोगी जीव और अधिकरणी या अधिकरण -----	३६
सयोगी जीव और योग प्राप्त करने की विधि -----	३७
जधन्य योग से उत्कृष्ट योग प्राप्त करने की विधि	
सयोगी जीव और उत्पत्ति -----	३८
योग और कर्मबंध -----	३८
सयोगीनारकी तथा अध्यवसाय-योग-करण से आयुष्य बंध -----	३९
सयोगी जीव और कर्म क प्रारम्भ और अंत -----	३९
सयोगी नारकी और कर्म वेदन का प्रारम्भ और समाप्ति -----	४०
सयोगी जीव और ज्ञानावरणीयकर्म के वेदन का प्रारम्भ और समाप्त -----	४१
सयोगी जीव और दर्शनावरणीय वेदन का प्रारम्भ और समाप्त -----	४१
सयोगी जीव और वेदनीयकर्म का प्रारम्भ और समाप्त -----	४१
सयोगी जीव और मोहनीयकर्म का प्रारम्भ और समाप्त -----	४१
सयोगी जीव और आयुष्यकर्म का प्रारम्भ और समाप्त -----	४१
सयोगी जीव और नामकर्म का प्रारम्भ और समाप्त-----	४१
सयोगी जीव और गोत्रकर्म का प्रारम्भ और समाप्त -----	४१
सयोगी जीव और अंतरायकर्म का प्रारम्भ और समाप्त -----	४१
सयोगी अनंतरोपपन्नक नारकी और पाप कर्म का योग -----	४१
सयोगी परंपरोपपन्नक नारकी और पाप कर्म का वेदन -----	४२
सयोगी जीव और अणाहारिक-----	४२
कर्मण काययोगी और अनाहारक-----	४२
कर्मण काययोगी अनाहारक होते हैं -----	४३
सयोगी जीव और आहारादि -----	४३
अयोगी जीव अनाहारक होते हैं -----	४४
सयोगी जीव और आत्मा की अभिन्नता -----	४५
सयोगी जीव की संख्या -----	४५
औदारिक काययोग की संख्या -----	४५
औदारिकमिश्र काययोग की संख्या -----	४५
कर्मण काययोग की संख्या -----	४५
योग की संख्या -----	४५
आहारककाययोग की संख्या -----	४५
आहारकमिश्रकाययोग की संख्या -----	४५
अयोगी जीव कौन होते हैं -----	४६

एक काल में एक योग -----	४६
वैक्रिय योग क्रिया तथा आहारक योग क्रिया युगपत् नहीं होती हैं -----	४६
औदारिक व औदारिकमिश्र काययोग किसके होता हैं -----	४७
जीव सयोगी भी होते हैं व अयोगी भी-----	४७
सयोगी जीव के भेद -----	४८
सयोगी जीव का योग की अपेक्षा उत्पत्ति मरण -----	४८
योग की अपेक्षा दंडक में उत्पत्ति-मरण के नियम -----	४८
सयोगी जीव और आरम्भ,परारंभ,उभयारम्भ व अनारम्भ -----	४९
सयोगी जीव और कषाय -----	५०
सयोगी नारकी में कषायोपयोग के विकल्प -----	५०
सयोगी (काय योगी) पृथ्वीकायिक में कषायोपयोग के विकल्प-----	५१
सयोगी (काययोगी) अप्कायिक में कषायोपयोग के विकल्प -----	५१
सयोगी (काययोगी) अग्निकायिक में कषायोपयोग के विकल्प -----	५१
सयोगी (काययोगी) वायुकायिक में कषायोपयोग के विकल्प -----	५२
सयोगी (काययोगी) वनस्पतिकायिक में कषायोपयोग के विकल्प -----	५२
सयोगी द्वीन्द्रिय (काय योगी-वचन योगी) के कषायोपयोग के विकल्प -----	५२
सयोगी त्रीन्द्रिय में कषायोपयोग के विकल्प -----	५२
सयोगी चतुरिन्द्रिय में कषायोपयोग के विकल्प -----	५२
सयोगी तिर्यच पंचेन्द्रिय में कषायोपयोग के विकल्प -----	५२
सयोगी मनुष्य में कषायोपयोग के विकल्प -----	५३
सयोगी भवनपति देव में कषायोपयोग के विकल्प -----	५३
सयोगी वामद्यन्तर देव में कषायोपयोग के विकल्प -----	५३
सयोगी ज्योतिषी देव में कषायोपयोग के विकल्प -----	५४
सयोगी वैमानिक देव में कषायोपयोग के विकल्प -----	५४
सयोगी और समुदघात -----	५५
सयोगी केवली और समुदघात -----	५५
केवली समुदघात के बाद योग की प्रवृत्ति -----	५७
योग निरोध और सिद्धि -----	५८
मनोयोगी और वचनयोगी का समुदघात क्षेत्र -----	७०
काययोगी का समुदघात क्षेत्र -----	७१
औदारिककाययोगी का समुदघात क्षेत्र -----	७२
वैक्रियकाययोगी का समुदघात क्षेत्र -----	७३
वैक्रियमिश्रकाययोगी का समुदघात क्षेत्र -----	७४
आहारककाययोगी का समुदघात क्षेत्र -----	७५
आहारकमिश्रकाययोगी का समुदघात क्षेत्र -----	७६

कर्मणकाययोगी का समुदघात क्षेत्र -----	७६
सयोगी जीवों का विभाग-----	७७
सयोगी औधिक जीवों का विभाग -----	७७
सयोगी नारकी जीवों का विभाग -----	७९
सयोगी भवनवासियों का विभाग -----	८०
सयोगी एकेन्द्रिय का विभाग -----	८१
सयोगी पृथ्वीकायिक का विभाग -----	८१
सयोगी अप्कायिक का विभाग -----	८१
सयोगी तेउकायिक का विभाग -----	८१
सयोगी वायुकायिक का विभाग -----	८१
सयोगी वनस्पतिकायिक का विभाग -----	८१
सयोगी द्वीन्द्रिय का विभाग -----	८२
सयोगी त्रीन्द्रिय का विभाग -----	८२
सयोगी चतुरिन्द्रिय का विभाग -----	८२
सयोगी पंचेन्द्रिय तिर्यचों का विभाग -----	८३
सयोगी मनुष्य का विभाग (एक्क भंग) -----	८४
सयोगी मनुष्य के विभाग (युग्म भंग) -----	८५
सयोगी मनुष्य के विभाग (त्रिक भंग) -----	८७
सयोगी मनुष्य के विभाग (चतुः संयोगी) -----	९१
वाणव्यंतर देवों में विभाग से प्रयोग -----	९४
ज्योतिषी देवों में विभाग से प्रयोग -----	९४
वैमानिक देवों में विभाग से प्रयोग -----	९४
सयोगी जीव और नियमा भजना -----	९४
मनोयोगी और वचनयोगी जीव की नियमा भजना -----	९४
काययोगी जव की नियमा भजना -----	९४
औदारिक काययोगी जीव की नियमा भजना -----	९४
औदारिकमिश्र काययोगी जीव क नियमा भजना -----	९४
वैक्रिय काययोगी जीव की नियमा भजना -----	९४
वैक्रियमिश्र काययोगी जीव की नियमा भजना -----	९५
आहारक काययोगी जीव की नियमा भजना -----	९५
आहारकमिश्र काययोगी जीव की नियमा भजना -----	९५
कर्मण कययोगी जीव की नियमा भजना -----	९५
सयोगी जीव और समवसरण -----	९५
सयोगी नारकी और समवसरण-----	९५
सयोगी असुरकुमार यावत स्तनितकुमार देव और समवसरण -----	९६

सयोगी पृथ्वीकायिक जीव और समवसरण -----	९६
सयोगी अपकायिक यावत चतुरिन्द्रिय जीव और समवसरण -----	९६
सयोगी पंचेन्द्रिय तिर्यचयोनिक जीव और समवसरण -----	९६
सयोगी मनुष्य और समवसरण -----	९७
अयोगी मनुष्य और समवसरण -----	९७
सयोगी वाणव्यंतर देव और समवसरण -----	९७
सयोगी ज्योतिषी देव और समवसरण -----	९७
सयोगी वैमानिक देव और समवसरण -----	९७
क्रियावादी सयोगी जीव का आयुष्यबंध-समवसरण की अपेक्षा से -----	९७
अक्रियावादी, विनयवादी और अज्ञानवादी सयोगी जीव और आयुष्यबंध समवसरण की अपेक्षा से -----	९७
अयोगी क्रियावादी जीव का समवसरण की अपेक्षा से आयुष्यबंध -----	९८
सयोगी नारकी और अक्रियावादी की अपेक्षा आयुष्यबंध -----	९८
सयोगी नारकी और अज्ञानवादी की अपेक्षा आयुष्यबंध -----	९८
सयोगी नारकी और विनयवादी की अपेक्षा आयुष्यबंध -----	९८
सयोगी नारकी और क्रियावादी की अपेक्षा आयुष्यबंध -----	९८
सयोगी असुरकुमार यावत स्तनितकुमार और क्रियावादी की अपेक्षा आयुष्यबंध -----	९८
सयोगी असुरकुमार यावत स्तनितकुमार और अक्रियावादी की अपेक्षा आयुष्यबंध -----	९९
सयोगी पृथ्वीकायिक और समवसरण की अपेक्षा आयुष्यबंध -----	९९
सयोगी अपकायिक जीव और समवसरण की अपेक्षा आयुष्यबंध -----	९९
सयोगी वनस्पतिकायिक जीव और समवसरण की अपेक्षा आयुष्यबंध -----	९९
सयोगी अग्निकायिक जीव और समवसरण में आयुष्यबंध -----	९९
सयोगी वायुकायिक जीव और समवसरण में आयुष्यबंध -----	९९
सयोगी द्वीन्द्रिय यावत चतुरिन्द्रिय और समवसरण में आयुष्यबंध -----	१००
सयोगी क्रियावादी पंचेन्द्रियतिर्यच और आयुष्यबंध -----	१००
सयोगी अक्रियावादी पंचेन्द्रियतिर्यच और आयुष्यबंध -----	१००
सयोगी अज्ञानवादी पंचेन्द्रियतिर्यच और आयुष्यबंध -----	१००
सयोगी विनयवादी पंचेन्द्रियतिर्यच और आयुष्यबंध -----	१००
सयोगी मनुष्य क्रियावादी और आयुष्यबंध -----	१००
सयोगी मनुष्य अक्रियावादी और आयुष्यबंध -----	१०१
सयोगी मनुष्य विनयवादी और आयुष्यबंध -----	१०१
सयोगी मनुष्य अज्ञानवादी और आयुष्यबंध -----	१०१
अयोगी क्रियावादी वाणव्यंतर यावत वैमानिकदेव और आयुष्यबंध -----	१०१
सयोगी क्रियावादी वाणव्यंतर यावत वैमानिकदेव और आयुष्यबंध -----	१०१
सयोगी अक्रियावादी वाणव्यंतर यावत वैमानिकदेव और आयुष्यबंध -----	१०१

सयोगी जीव का समवसरण और भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक -----	१०१
अयोगी क्रियावादी और भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक -----	१०२
सयोगी नारकी और समवसरण की अपेक्षा भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक -----	१०२
सयोगी असुरकुमार यावत स्तनितकुमार और समवसरण की अपेक्षा भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक -----	१०२
सयोगी अक्रियावादी पृथ्वीकायिक और भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक -----	१०२
सयोगी अज्ञानवादी पृथ्वीकायिक और भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक -----	१०२
सयोगी अक्रियावादी अपकायिक यावत वनस्पतिकायिक व भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक -----	१०३
सयोगी अज्ञानवादी अपकायिक यावत वनस्पतिकायिक व भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक -----	१०३
सयोगी द्विन्द्रिय यावत चतुरिन्द्रिय अक्रियावादी और भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक -----	१०३
सयोगी द्विन्द्रिय यावत चतुरिन्द्रिय अज्ञानवादी और भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक -----	१०३
सयोगी तिर्यचपंचेन्द्रिय और समवसरण की अपेक्षा भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक -----	१०३
सयोगी मनुष्य और समवसरण की अपेक्षा भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक -----	१०३
सयोगी वाणव्यंतरदेव यावत वैमानिकदेव और समवसरण की अपेक्षा भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक -----	१०४
सयोगी अनन्तरोपपन्नक नारकी यावत वैमानिकदेव और समवसरण -----	१०४
सयोगी अनन्तरोपपन्नक नारकी और समवसरण की अपेक्षा आयुष्यबंध -----	१०४
सयोगी अनन्तरोपपन्नक नारकी और समवसरण की अपेक्षा भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक -----	१०५
सयोगी अनन्तरोपपन्नक असुरकुमार यावत वैमानिकदेव और समवसरण की अपेक्षा भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक -----	१०५
सयोगी परंपरोपपन्नक नारकी यावत वैमानिक क्रियावादी आदि -----	१०५
सयोगी परंपरोपपन्नक यावत वैमानिक क्रियावादी आदि और आयुष्यबंध -----	१०५
सयोगी परंपरोपपन्नक यावत वैमानिक क्रियावादी और भवसिद्धिक-अभवसिद्धिक -----	१०५
अनंतरावगाढ सयोगी नारकी आदि दंडक और समवसरण -----	१०६
परंपरावगाढ सयोगी नारकी आदि दंडक और समवसरण -----	१०६
अनंतराहारक सयोगी नारकी आदि दंडक और समवसरण -----	१०६
परंपराहारक सयोगी नारकी आदि दंडक और समवसरण -----	१०६
अनंतपर्याप्तक सयोगी नारकी आदि दंडक और समवसरण -----	१०६
परम्परपर्याप्तक सयोगी नारकी आदि दंडक और समवसरण -----	१०६
चरम सयोगी नारकी आदि दंडक और समवसरण -----	१०६
अचरम सयोगी नारकी आदि दंडक और समवसरण -----	१०६
सयोगी जीव और अल्पबहुत्व -----	१०७
जीव समास के आश्रय से योग का अल्पबहुत्व -----	१०७
सूक्ष्म एकेन्द्रिय अपर्याप्तक के अल्पतम योग-----	१०७
बादर एकेन्द्रिय अपर्याप्तक के जधन्य योग असंख्यातगुण-----	१०७
द्वीन्द्रिय अपर्याप्तक के जधन्य योग असंख्यातगुण -----	१०८
त्रीन्द्रिय अपर्याप्तक के जधन्य योग असंख्यातगुण -----	१०८

चतुरिन्द्रिय अपर्याप्तक के जधन्य योग असंख्यातगुण -----	१०८
असंज्ञी पंचेन्द्रिय अपर्याप्तक के जधन्य योग असंख्यातगुण -----	१०९
संज्ञी पंचेन्द्रिय अपर्याप्तक के जधन्य योग असंख्यातगुण -----	१०९
सूक्ष्म एकेन्द्रिय अपर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण -----	१०९
बादर एकेन्द्रिय लब्धपर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण -----	११०
सूक्ष्म एकेन्द्रिय पर्याप्तक के जधन्य योग असंख्यातगुण -----	११०
बादर एकेन्द्रिय पर्याप्तक के जधन्य योग असंख्यातगुण -----	११०
सूक्ष्म एकेन्द्रिय पर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण -----	१११
बादर एकेन्द्रिय पर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण -----	१११
द्विन्द्रिय अपर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण -----	१११
त्रीन्द्रिय अपर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण -----	११२
चतुरिन्द्रिय अपर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण -----	११२
असंज्ञी पंचेन्द्रिय अपर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण -----	११२
संज्ञी पंचेन्द्रिय अपर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण-----	११२
द्विन्द्रिय पर्याप्त के जधन्य योग असंख्यातगुण -----	११३
त्रीन्द्रिय पर्याप्तक के जधन्य योग असंख्यातगुण-----	११३
चतुरिन्द्रिय पर्याप्तक के जधन्य योग असंख्यातगुण -----	११३
असंज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तक के जधन्य योग असंख्यातगुण -----	११३
संज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तक के जधन्य योग असंख्यातगुण -----	११४
द्विन्द्रिय पर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण -----	११४
त्रीन्द्रिय पर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण -----	११४
चतुरिन्द्रिय पर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण -----	११४
असंज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण-----	११४
संज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तक के उत्कृष्ट योग असंख्यातगुण -----	११५
उपर्युक्त असंख्यातगुण प्रमाण -----	११५
सयोगी जीवों का अल्पबहुत्व -----	११५
सयोगी जीव और अल्पबहुत्व -----	११८
सयोगी जीवों का अल्पबहुत्व -----	११८
सयोगी और अल्पबहुत्व -----	१२०
काययोग का अल्पबहुत्व -----	१२३
पन्द्रह योगों का अल्पबहुत्व -----	१२३
पंचमनोयोगी तथा पंचवचन योगी का अल्पबहुत्व -----	१२३
काययोगी कल्पबहुत्व -----	१२३
औदारिक काययोगी का अल्पबहुत्व-----	१२३
औदारिकमिश्र काययोगी का अल्पबहुत्व -----	१२७

वैक्रियकायोगी का अल्पबहुत्व -----	१२७
वैक्रियमिश्र-काययोगी का अल्पबहुत्व -----	१२७
आहारक-काययोगी का अल्पबहुत्व -----	१२८
आहारकमिश्र-काययोगी का अल्पबहुत्व -----	१२८
कर्मण काययोगी का अल्पबहुत्व -----	१२९
सयोगी जीवों का अल्पबहुत्व -----	१३०
योग स्थान का अल्पबहुत्व -----	१३५
करण-कृति की अपेक्षा योगिक जीवों का परस्थान अल्पबहुत्व -----	१३७
सयोगी जीवों का लोक-क्षेत्र में अवस्थान -----	१३९
पंच मनोयोगी तथा पंच वचनयोगी का अवस्थान -----	१३९
काययोगी का अवस्थान-----	१४०
औदारिक काययोगी का अवस्थान -----	१४१
औदारिकमिश्र काययोगी का अवस्थान -----	१४२
वैक्रिय काययोगी का अवस्थान -----	१४४
वैक्रियमिश्र काययोगी का अवस्थान -----	१४५
आहारककाययोगी तथा आहारकमिश्र काययोगी का अवस्थान -----	१४६
कर्मण काययोगी का अवस्थान -----	१४६
सयोगी जीवों की क्षेत्र-स्पर्शना -----	१४७
पंचमनोयोगी तथा पंचवचनयोगी की क्षेत्र स्पर्शना -----	१४७
काययोगी की क्षेत्र स्पर्शना -----	१५०
औदारिक काययोगी की क्षेत्र स्पर्शना -----	१५१
औदारिकमिश्र काययोगी की क्षेत्र स्पर्शना -----	१५५
वैक्रिय काययोगी की क्षेत्र स्पर्शना -----	१५८
वैक्रियमिश्र काययोगी की क्षेत्र स्पर्शना -----	१६०
आहारक काययोगी तथा आहारकमिश्र काययोगी की क्षेत्र स्पर्शना -----	१६१
कर्मण काययोगी की क्षेत्र स्पर्शना -----	१६२
सयोगी जीव का क्षेत्र स्पर्श -----	१६४
मनोयोगी और वचनयोगी का क्षेत्र स्पर्श -----	१६४
काययोगी का क्षेत्र स्पर्श -----	१६६
औदारिकमिश्र काययोगी का क्षेत्र स्पर्श -----	१६६
औदारिक काययोगी का क्षेत्र स्पर्श -----	१६७
वैक्रिय काययोगी का क्षेत्र स्पर्श -----	१६८
वैक्रियमिश्र काययोगी का क्षेत्र स्पर्श -----	१७०
आहारक काययोगी का क्षेत्र स्पर्श -----	१७१
आहारकमिश्र काययोगी का क्षेत्र स्पर्श -----	१७२

कर्मण काययोगी का क्षेत्र स्पर्श -----	१७३
सयोगी जीव कितने क्षेत्र में -----	१७३
मनोयोगी और वचनयोगी कितने क्षेत्र में -----	१७३
काययोगी कितने क्षेत्र में -----	१७४
औदारिकमिश्र काययोगी कितने क्षेत्र में -----	१७४
औदारिक काययोगी कितने क्षेत्र में -----	१७५
वैक्रिय काययोगी कितने क्षेत्र में -----	१७६
वैक्रियमिश्र काययोगी कितने क्षेत्र में -----	१७७
आहारक काययोगी कितने क्षेत्र में -----	१७८
आहारकमिश्र काययोगी कितने क्षेत्र में -----	१७९
कर्मण काययोगी कितने क्षेत्र में -----	१७९
सयोगी जीवों की कालस्थिति -----	१८०
पंच मनोयोगी-पंचन वचनयोगी की कालस्थिति -----	१८०
काययोगी जीवों की कालस्थिति -----	१८७
औदारिक काययोगी जीवों की कालस्थिति -----	१८९
औदारिकमिश्र काययोगी जीवों की कालस्थिति -----	१९०
वैक्रिय काययोगी जीवों की कालस्थिति -----	१९७
वैक्रियमिश्र काययोगी जीवों की कालस्थिति -----	१९९
आहारक काययोगी जीवों की कालस्थिति -----	१९९
आहारक काययोगी जीवों की कालस्थिति -----	२०३
आहारक काययोगी जीवों की कालस्थिति -----	२०५
कर्मण काययोगी जीवों की कालस्थिति-----	२०७
योग की स्थिति -----	२१०
योग की कालस्थिति -----	२११
औदारिक काययोग की कालस्थिति -----	२११
औदारिकमिश्र काययोग की कालस्थिति -----	२११
कर्मण काययोग की कालस्थिति -----	२११
सयोगीजीव की सयोगीत्व की अपेक्षा स्थिति -----	२११
मनोयोगी और वचनयोगी की कालस्थिति -----	२११
काययोगी की कालस्थिति -----	२११
औदारिक काययोगी की कालस्थिति -----	२११
औदारिकमिश्र काययोगी की कालस्थिति -----	२११
वैक्रिय काययोगी की कालस्थिति -----	२११
कर्मण काययोगी की कालस्थिति -----	२११
वैक्रियमिश्र काययोगी की कालस्थिति -----	२१२

आहारक काययोगी की कालस्थिति -----	२१३
आहारकमिश्र काययोगी की कालस्थिति -----	२१४
योगी और कालप्ररूपणा -----	२१५
मनोयोगी और वचनयोगी की कालस्थिति -----	२१५
काययोगी की कालस्थिति -----	२१६
औदारिक काययोगी की कालस्थिति -----	२१७
औदारिकमिश्र काययोगी की कालस्थिति -----	२१८
वैक्रिय काययोगी की कालस्थिति -----	२१८
आहारक काययोगी की कालस्थिति -----	२१८
वैक्रियमिश्र काययोगी की कालस्थिति -----	२१९
आहारक काययोगी की कालस्थिति -----	२१९
वैक्रियमिश्र काययोगी की कालस्थिति -----	२१९
आहारकमिश्र काययोगी की कालस्थिति -----	२१९
कर्मण काययोगी की कालस्थिति -----	२२०
काययोग की स्थिति -----	२२१
औदारिककाययोग की स्थिति -----	२२१
औदारिकमिश्रकाययोग की स्थिति -----	२२१
कर्मणकाययोग की स्थिति -----	२२१
काययोग की स्थिति -----	२२१
अयोगी जीव में -----	२२१
कालानुगमती से संचित योगों जीवों की कालस्थिति -----	२२२
करणकृति अनुगम में कालानुगम से संचित जीव की कृतिरूपस्थिति -----	२२३
योग की स्थिति -----	२२६
सयोगी जीव का सयोगी की अपेक्षा अन्तरकाल -----	२२६
पंचमनोयोगी तथा पंच वचन योगी में काल का अंतर -----	२२६
काययोगी में काल का अंतर -----	२२६
औदारिक काययोगी में काल का अंतर -----	२२६
औदारिकमिश्र काययोगी में काल का अंतर -----	२२८
वैक्रिय काययोगी में काल का अंतर -----	२२९
कर्मण काययोगी में काल का अंतर -----	२२९
मनोयोगी और वचनयोगी का अन्तरकाल -----	२३०
काययोगी का अन्तरकाल -----	२३०
औदारिक काययोगी का अन्तरकाल-----	२३०
औदारिकमिश्र काययोगी का अन्तरकाल -----	२३०
वैक्रिय काययोगी का अन्तरकाल -----	२३०

कर्मण काययोगी का अन्तरकाल -----	२३०
वैक्रियमिश्र काययोगी का काल का अन्तर -----	२३०
वैक्रियमिश्र काययोगी का अन्तरकाल -----	२३१
आहारककाययोगी का काल का अन्तर -----	२३२
आहारक काययोगी का अन्तरकाल -----	२३२
आहारकमिश्र काययोगी का अन्तरकाल -----	२३२
योग का अन्तरकाल -----	२३३
अंतरानुगम से संचित योगी जीवों का अन्तरकाल -----	२३४
सयोगीजीव और भाव -----	२३५
पंच मनोयोगी तथा पंच वचनयोगी का भाव -----	२३५
काययोगी का भाव -----	२३५
औदारिक काययोगी का भाव -----	२३५
औदारिकमिश्र काययोगी का भाव -----	२३५
वैक्रिय काययोगी का भाव -----	२३६
वैक्रियमिश्र काययोगी का भाव -----	२३६
आहारक काययोगी का भाव -----	२३६
आहारकमिश्र काययोगी का भाव -----	२३६
कर्मण काययोगी का भाव -----	२३६
सयोगी और भाव -----	२३७
भावानुगम से संचित योगी जीवों के भाव -----	२३८
सयोगी जीव का भागाभाग -----	२३८
मनोयोगी और वचनयोगी का भागाभाग -----	२३८
वैक्रिय काययोगी का भागाभाग -----	२३८
वैक्रियमिश्र काययोगी का भागाभाग -----	२३८
आहारक काययोगी का भागाभाग -----	२३८
आहारकमिश्र काययोगी का भागाभाग -----	२३८
काययोगी का भागाभाग -----	२३९
औदारिक काययोगी का भागाभाग -----	२३९
औदारिकमिश्र काययोगी का भागाभाग -----	२४०
कर्मण काययोगी का भागाभाग -----	२४०
सयोगी जीवों के भागाभाग रूप द्रव्य प्रमाण -----	२४०
सयोगी जीवों का द्रव्य (संख्या) प्रमाण -----	२४५
पाँच मनोयोगी तथा तीन वचनयोगियों का द्रव्य प्रमाण -----	२४५
वचनयोगी तथा असत्यमृषा (अनुभव) वचनयोगियों का द्रव्य प्रमाण -----	२४८
मनोयोगी और वचनयोगी का द्रव्य प्रमाण -----	२५२

वचनयोगी और असत्यमृषा वचनयोगी का द्रव्य प्रमाण-----	२५२
काययोगी तथा औदारिक काययोगी का द्रव्य प्रमाण -----	२५४
औदारिकमिश्र काययोगी का द्रव्य प्रमाण -----	२५५
कर्मण काययोगी का द्रव्य प्रमाण -----	२५७
काययोगी का द्रव्य प्रमाण -----	२५८
औदारिक काययोगी तथा औदारिकमिश्र काययोगी का द्रव्य प्रमाण -----	२५८
कर्मण काययोगी का द्रव्य प्रमाण -----	२५८
काययोगी की जीव संख्या -----	२६०
कर्मण काययोगी की संख्या -----	२६०
औदारिकमिश्रअर काययोगी की संख्या -----	२६०
औदारिक काययोगी की संख्या -----	२६०
वैक्रियकाययोगी का द्रव्य प्रमाण -----	२६०
वैक्रियमिश्र काययोगी का द्रव्य प्रमाण -----	२६२
वैक्रिय काययोगी का द्रव्य प्रमाण -----	२६३
वैक्रियमिश्र काययोगी का द्रव्य प्रमाण -----	२६३
आहारक तथा आहारकमिश्र काययोगी का द्रव्य प्रमाण -----	२६४
आहारक काययोगी का द्रव्य प्रमाण -----	२६५
आहारकमिश्र काययोगी का द्रव्य प्रमाण -----	२६५
योग और कर्म बंधन -----	२६६
योगी और बंधकत्व -----	२७०
आयुषकर्म के बंधन के समय जघन्य योग होता है -----	२७१
योग और कृत-नोकृति, अवक्तव्यकृति -----	२७२
प्रथम-अप्रथम अपेक्षा योगीजीव और कृति -----	२७२
औदारिक काययोगी -----	२७२
औदारिकमिश्र काययोगी -----	२७२
कर्मण काययोगी -----	२७२
चरम-अचरमानुगम की अपेक्षा योगी जव और कृति -----	२७३
संचयानुगम में द्रव्यानुगम की अपेक्षा योगी-जीव और कृति -----	२७३
संचयानुगम-सत्परुपणा की अपेक्षा योगी जीव और कृति -----	२७४
करणानुगम से संचित योगी जीवों में करणकृति -----	२७४
करणकृति अनुगम में स्पर्शानुगम में क्षेत्रानुगम से कृतियुक्त संचित जीव -----	२७६
अंतरानुगम से करण कृति की अपेक्षा योग -----	२७७
भावानुगम से करण कृति की अपेक्षा योग -----	२७९
करणानुगम में संचित योगी जीवों की संघतनादि कृति युक्त कितने क्षेत्र में अवस्थिति -----	२८०
करणानुगम में संचित योगी जीवों की संघातनकृति आदि कृति करते हुए कितनी संख्या -----	२८१

उपपातयोग-परिणामयोग-एकान्तानुवृद्धियोग -----	२८२
समय व संख्या की अपेक्षा सयोगी जीव की उत्पत्ति-मरण अवस्थिति -----	२८६
नरक पृथिव्यों में -----	२८६
देवावासों में -----	२९३
सयोगी जीव और अल्पकर्मतर-बहुकर्मतर -----	२९९
सयोगी जीव और अल्पऋद्धि-महाऋद्धि -----	२९९
सयोगी क्षुद्रयुग्म जीव -----	२९९
सयोगी क्षुद्रयुग्म नारकी का उपपात -----	३००
कृष्णलेशी क्षुद्रकृत युग्म प्रमाण राशि का योग रूप व्यापार से उपपात तथा परभव के आयुष्य का बंधन -----	३०१
क्षुद्रत्र्योज राशि प्रमाण कृष्ण लेशीवाले नारकी का उपात व परभव का आयुष्य बंध -----	३०२
कृष्णलेशी क्षुद्रद्वापर राशि प्रमाण नारकी व उपपात व परभव के आयुष्य का बंध -----	३०२
कृष्णलेशी क्षुद्रकल्योज राशि प्रमाण नारकी का उपपात तथा परभव के आयुष्य का बंधन -----	३०२
नीललेशी नारकी का उपपात तथा परभव के आयुष्य का बंध आत्मप्रयोग (जोग रूप व्यापार) से होता है -----	३०२
कापोतलेशी क्षुद्र कृत युग्म नारकी का उपपात आत्म... -----	३०३
क्षुद्रकृत युग्म राशि नारकी के योग से परभव का आयुष्य बंध -----	३०३
त्र्योज युग्म राशि नारकी के योग से परभव का आयुष्य बंध -----	३०३
द्वापर युग्म राशि नारकी के योग से परभव का आयुष्य बंध -----	३०३
काल्योज युग्म राशि नारकी के योग से परभव का आयुष्य बंध -----	३०३
कृष्णलेशी भवसिद्धिक क्षुद्रकृत युग्म नारकी के योग से परभव का आयुष्य बंध -----	३०४
कृष्णलेशी भवसिद्धिक त्र्योज नारकी के योग से परभव का आयुष्य बंध -----	३०४
कृष्णलेशी भवसिद्धिक द्वापर युग्म नारकी के योग से परभव का आयुष्य बंध -----	३०४
कृष्णलेशी भवसिद्धिक कल्योज नारकी के योग से परभव का आयुष्य बंध-----	३०४
क्षुद्रयुग्मराशिप्रमाणनीललेशी भवसिद्धिक नारकी क योग आदि से परभव का आयुष्य बंध -----	३०४
त्र्योजयुग्मराशिप्रमाणनीललेशी भवसिद्धिक नारकी का योग आदि से परभव का आयुष्य बंध -----	३०४
द्वापरयुग्मराशिप्रमाणनीललेशी भवसिद्धिक नारकी का योग आदि से परभव का आयुष्य बंध -----	३०४
कल्योज युग्मराशिप्रमाणनीललेशी भवसिद्धिक नारकी का योग आदि से परभव का आयुष्य बंध ---	३०४
क्षुद्रयुग्म ादि कापोत लेशी भवसिद्धिक नारकी के योग आदि से परभव का आयुष्य बंध -----	३०५
अभवसिद्धिक कृतयुग्म आदि चार युग्म के ायुष्यबंधन योग आदि से -----	३०५
सम्यग्दृष्टि कृतयुग्म आदि चार युग्म और सयोगी –आयुष्य बंध -----	३०५
मिथ्यादृष्टि कृतयुग्म आदि चार युग्म और सयोगी –आयुष्य बंध -----	३०५
कृष्णपाक्षिक कृतयुग्म आदि के आयुष्य बंध योग ादि से -----	३०५
शुक्लपाक्षिक कृतयुग्म आदि के आयुष्य बंध योग ादि से -----	३०५
सयोगी क्षुद्रयुग्म नारकी का उद्धर्तन -----	३०

सयोगी महायुगम जीव -----	३०७
सयोगी महायुगम एकेन्द्रिय जीव -----	३०७
सयोगी महायुगम एकेन्द्रिय जीव -----	३०७
सयोगी महायुगम द्वीन्द्रिय जीव -----	३०९
सयोगी महायुगम त्रिन्द्रिय जीव-----	३१०
सयोगी महायुगमचतुरिन्द्रिय जीव -----	३११
सयोगी महायुगम असंज्ञी पंचेन्द्रिय जीव -----	३११
सयोगी महायुगम संज्ञी पंचेन्द्रिय -----	३११
सयोगी राशियुगम जीव -----	३१५
सयोगी और कृतयुगम-राशि -----	३१५
सयोगी राशि युगम जीव -----	१५
सयोगी जीव और पापकर्म आदि का करना -----	३२०
सयोगी जीव और पापकर्म आदि का करना -----	३२१
सयोगी जीव और पाप कर्मों का समर्जन-समाचरण -----	३२१
सयोगी नारकि आदि के दंडक के जीव और पापकर्मों का समर्जन-समाचरण -----	३२२
सयोगी जीव और ज्ञानावरणीय कर्म ादि अष्ट कर्म का समर्जन-समाचरण -----	३२३
सयोगी अनंतरोपन्नक नारकी और पापकर्म का समर्जन समाचरण -----	३२३
सयोगी अनंतरोपन्नक नारकी और ज्ञानावरणीय कर्म का बंध -----	३२३
सयोगी अनंतरोपन्नक नारकी और दर्शनावरणीय से अंतराय कर्म का बंध -----	३२३
सयोगी परंपरोपपन्नक नारकी और पापकर्म का समर्जन-समाचरण -----	३२४
सयोगी परंपरोपपन्नक नारकी और ज्ञानावरणीय से अंतरायकर्म का समर्जन समाचरण -----	३२४
सयोगी जीव और कर्म प्रकृति का सत्ता-बंधन-उदय -----	३२४
जीव दंडक और समपद -----	३२५
प्रयोग कर्म -----	३२६
योग और समवदान कर्म -----	३२८
योग और ईर्यापथकर्म -----	३२८
अनाहारक जीवों के प्रयोगकर्म काल -----	३२८
सयोगी जीव और कर्म-बंधन -----	३२९
सयोगी जीव और कर्मबंधन -----	३३०
सयोगी नारकी और कर्म बंधन -----	३३०
सयोगी असुरकुमार यावत् स्तनितकुमार देव और कर्म बंधन -----	३३०
सयोगी पृथ्वीकायिक, सयोगी अप्कायिक, सयोगी अग्निकायिक और कर्मबंधन -----	३३१
सयोगी वायुकायिक, सयोगी वनस्पतिकायिक और कर्मबंधन -----	३३१
सयोगी द्वीन्द्रिय, त्रीन्द्रिय व सयोगी चतुरिन्द्रिय और कर्मबंधन -----	३३१
सयोगी तिर्यच पंचेन्द्रिय योनिक जीव और कर्मबंधन -----	३३१

सयोगी मनुष्य और कर्मबंधन -----	३३१
सयोगी वाणव्यंतरदेव और कर्मबंधन-----	३३१
सयोगी ज्योतिषीदेव और कर्मबंधन -----	३३१
सयोगी वैमानिक देव और कर्मबंधन -----	३३१
सयोगी जीव और ज्ञानावरणीय कर्म का बंधन -----	३३२
सयोगी जीव और दर्शनावरणीय कर्म का बंधन-----	३३२
सयोगी जीव और वेदनीय कर्म का बंध-----	३३२
सयोगी नारकी जीव यावत् वैमानिक देव के वेदनीय कर्मबंधन -----	३३३
सयोगी जीव और मोहनीय कर्म का बंध -----	३३३
सयोगी जीव और आयुष्य कर्म का बंध -----	३३३
सयोगी नारकी और आयुष्य कर्म का बंध-----	३३४
सयोगी असुरकुमार यावत् स्नितकुमारदेव और आयुष्य कर्म का बंध -----	३३४
सयोगी पृथ्वीकायिक जीव और आयुष्य बंध -----	३३४
सयोगी जीव और अप्कायिक जीवों के आयुष्य बंध -----	३३४
सयोगी जीव और अग्निकायिक व वायुकायिक जीवों के आयुष्य बंध -----	३३५
सयोगी द्वीन्द्रिय, त्रीन्द्रिय व चतुरिन्द्रिय जीव, तिर्यच पंचेन्द्रिय और मनुष्य और आयुष्य बंध ----	३३५
सयोगी ौधिक जीव दंडक और नाम कर्म का बंधन -----	३३५
सयोगी औधिक जीव दंडक और गोत्रकर्म-अंतरायकर्म का बंधन -----	३३५
सयोगी अनन्तरोपपन्नक नारकी और कर्म बंध -----	३३६
सयोगी अनन्तरोपपन्नक पृथ्वीकायिक आदि एकेन्द्रिय जीव और पापकर्म का बंध -----	३३६
सयोगी अनन्तरोपपन्नक द्वीन्द्रिय जीव आदि तथा पाप कर्म का बंध -----	३३६
सयोगी अनन्तरोपपन्नक पंचेन्द्रिय तिर्यच योनिक जीव तथा पापकर्मबंध -----	३३६
सयोगी अन्तरोपपन्नक मनुष्य तथा पापकर्म का बंध -----	३३७
सयोगी अनन्तरोपपन्नक वाणव्यंतर-ज्योतिषी-वैमानिक देव तथा पापकर्म का बंध -----	३३७
सयोगी अनन्तरोपपन्नक जीव दंडक और ज्ञानावरणीय आदि सात कर्म-बंधक (आयुष्य छोड़कर) -----	३३७
सयोगी अनन्तरोपपन्नक जीव दंडक और आयुष्य कर्म का बंधन -----	३३८
सयोगी परंपरोपपन्नक नारकी आदि दंडक और पापकर्म का बंध -----	३३८
सयोगी परंपरोपपन्नक नारकी आदि दंडक और ज्ञानावरणीय यावत् अंतराय कर्मबंध -----	३३८
सयोगी अनन्तरावगाढ नारकी आदि दंडक और पापकर्म का बंध -----	३३९
सयोगी अनन्तरावगाढ नारकी आदि दंडक और ज्ञानावरणीय यावत् अंतराय कर्म का बंध -----	३३९
सयोगी अनन्तराहारक नारकी आदि दंडक और पापकर्म का बंध -----	३४०
सयोगी अनन्तराहारक नारकी आदि दंडक और ज्ञानावरणीय कर्म यावत् अंतराय कर्म का बंध ----	३४०
सयोगी परंपराहारक नारकी आदि और पापकर्म का बंध -----	३४०
सयोगी परंपराहारक नारकी आदि ज्ञानावरणीय यावत् अंतराय कर्म का बंध -----	३४०

सयोगी अनन्तर पर्याप्त नारकी आदि दंडक और पापकर्म का बंध -----	३४०
सयोगी अनन्तर पर्याप्त नारकी आदि दंडक ज्ञानावरणीय यावत् अंतराय कर्म का बंध -----	३४०
सयोगी परम्परपर्याप्त नारकी आदि और पापकर्म का बंध -----	३४१
सयोगी परम्परपर्याप्त नारकी आदि और ज्ञानावरणीय यावत् अंतराय कर्म बंध -----	३४१
सयोगी चरम नारकी आदि तथा पापकर्म का बंध -----	३४१
सयोगी चरम नारकी आदि तथा ज्ञानावरणीय यावत् अंतराय कर्म का बंध -----	३४१
सयोगी चरम नारकी आदि और पापकर्म का बंध -----	३४२
सयोगी अचरम मनुष्य और पापकर्म का बंध -----	३४२
दसयोगी अचरम वाणव्यंतर ततथा और पापकर्म का बंध -----	३४२
सयोगी अचरम ज्योतिषी देव और पापकर्म का बंध -----	३४२
सयोगी अचरम वैमानिक देव और पापकर्म का बंध -----	३४२
सयोगी अचरम नारकी यावत् वैमानिकदेव (मनुष्य बाद देकर) तथा ज्ञानावरणीय कर्म का बंध ----	३४३
सयोगी अचरम नारकी यावत् वैमानिकदेव तथा दर्शनावरणीय कर्म का बंध -----	३४३
सयोगी अचरम नारकी यावत् वैमानिकदेव तथा वेदनीय कर्म का बंध -----	३४३
सयोगी अचरम मनुष्य तथा ज्ञानावरणीय कर्मबंध -----	३४३
सयोगी अचरम मनुष्य तथा दर्शनावरणीय कर्म बंध -----	३४३
सयोगी अचरम मनुष्य तथा वेदनीय कर्म बंध -----	३४३
सयोगी अचरम नारकी आदि और मोहनीय कर्म का बंध -----	३४४
सयोगी अचरम नारकी व आयुष्य कर्म बंधन -----	३४४
सयोगी भवनपतिदेव व आयुष्य बंध -----	३४४
सयोगी असुरकुमार यावत् स्नितकुमार भवनपतिदेव व आयुष्य बंध -----	३४४
सयोगी-काययोगी अचरम पृथ्वीकायिक और आयुष्य बंध -----	३४४
सयोगी काययोगी अचरम अप्कायिक और आयुष्य बंध -----	३४५
सयोगी काययोगी अचरम वनस्पतिकायिक और आयुष्य बंध -----	३४५
सयोगी अचरम अग्निकायिक और आयुष्य बंध -----	३४५
सयोगी अचरम वायुकायिक और आयुष्य बंध -----	३४५
सयोगी अचरम द्वीन्द्रिय यावत् चतुरिन्द्रिय और आयुष्य बंध -----	३४५
सयोगी अचरम तिर्यच पंचेन्द्रिय और आयुष्य बंध -----	३४५
सयोगी अचरम मनुष्य और आयुष्य बंध -----	३४५
सयोगी अचरम वाणव्यंतरदेव व आयुष्य बंध -----	३४६
सयोगी अचरम ज्योतिषई व वैमानिकदेव और आयुष्य बंध -----	३४६
सयोगी अचरम नारकी तथा नामकर्म बंध -----	३४६
सयोगी अचरम नारकी तथा गोत्रकर्म बंध -----	३४६
सयोगी अचरम नारकी तथा अंतरायकर्म बंध -----	३४६
सयोगी अचरम असुरकुमार यावत् वैमानिकदेव और नामकर्म गोत्र अंतराय कर्म का बंध -----	३४६

कर्मणकायोगी जीव आयुष्य नहीं बाँधता है -----	३४६
आहारकमिश्रकाययोगी जीव आयुष्य नहीं बाँधता -----	३४६
योग और कर्म बंध -----	३४७
औदारिकमिश्रकायोगी जीव और कर्म बंध -----	३४७
वैक्रियमिश्रकाययोगी जीव आयुष्य नहीं बाँधता -----	३४७
योग और बंध -----	३४७
वेदनीयकर्मबंध का बंधन तथा योग लेश्या -----	३४८
योग और लेश्या -----	३४९
योगस्थान और प्रकृति बंध और प्रदेश बंध -----	३४९
योग और बंधक-अबंधक -----	३४९
<b>परिशिष्ट</b>	
अध्ययन, गाथा, सूत्र आदि की संकेत सूची -----	३५०
संकलन-सम्पादन अनुसंधान में प्रमुख ग्रन्थों की सूची -----	३५०
लेश्या कोश पर विद्वानों की सम्मति -----	३५२
क्रिया कोश पर प्राप्त समीक्षा -----	३५३
मिथ्यात्वी का आध्यात्मिक विकास पर अभिमत -----	३५४
वर्धमान जीवनकोश, प्रथम खण्ड पर प्राप्त समीक्षा-----	३५७
वर्धमान जीवनकोश, द्वितीय खण्ड पर प्राप्त समीक्षा -----	३५७
वर्धमान जीवन कोश, तृतीय खण्ड पर प्राप्त समीक्षा -----	३५८
योगकोश प्रथम खण्ड पर प्राप्त समीक्षा -----	३५९
योगकोश पर प्राप्त समीक्षा -----	३६०